BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया गुरूवार विक्रम संवत् 2079। 02 जून 2022

लोगों को भा रहा है हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट हाट

सिटी रिपोर्टर . पटना

शहर के फ्रेजर रोड के पास खुले नए हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट हाट लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इस हाट की बनावट और यहां पर मिलने वाले हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट के सामान को लोग खूब पसंद कर रहे हैं और जम के खरीदारी कर रहे हैं। हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट हाट में बिहार के हुनरमंद शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा यहां पर सामान दिए जा रहे हैं। इससे उन्हें रोजगार के लिए भी एक बेहतर अवसर मिल रहा है। हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट हाट का संचालन उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान द्वारा किया जा रहा है। इस हाट में हैंडीक्राफ्ट के मिथिला चित्रकला, टिकुली चित्रकला, मंजूषा कला, पाषाण शिल्प, काष्ठ शिल्प, वेणु शिल्प, सिक्की कला, पेपर मेशी, जूट एवं अन्य शिल्प के विभिन्न कलाकृतियां खरीदारी के लिए है उपलब्ध हैं इसके साथ ही हैंडलूम के कॉटन, सिल्क और लिनन कपड़े के शर्ट, कुर्ता, साड़ी इत्यादि किफायती दाम पर उपलब्ध हैं।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 02.06.2022 | पृष्ठ सं० 07

लगातार बढ़ रही बिजली उपभोक्ताओं की संख्या, मांग को देखते हुए बढ़ाई गई क्षमता

बिहार में जरूरत से दोगुनी हुई बिजली आपूर्ति क्षमता

उपलब्धि

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार में जरूरत से दोगुनी बिजली आपूर्ति की क्षमता तैयार हो गई है। इस साल के अंत तक राज्य में बिजली की अधिकतम मांग सात हजार मेगावाट होने की उम्मीद है, जबकि पिछले महीने ही बिजली कंपनी ने लगभग 15 हजार मेगावाट आपूर्ति की क्षमता विकसित कर ली है। साल 2005 में राज्य की बिजली आपूर्ति क्षमता मात्र एक हजार मेगावाट की थी। 17 साल में बिजली कंपनी ने 15 गुना बिजली आपूर्ति क्षमता विकसित करने में कामयाबी हासिल की है।

दरअसल, हर घर बिजली कनेक्शन के कारण बिहार में उपभोक्ताओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। इसका असर यह हुआ कि वर्ष 2014-15 में बिहार में प्रति व्यक्ति बिजली खपत 203 किलोवाट-आवर थी। 2020-21 में यह बढ़कर 350 किलोवाट-आवर हो चुकी है। उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि का ही असर हुआ कि मात्र छह साल में ही प्रति व्यक्ति बिजली खपत में 72.4 फीसदी की वृद्धि हो गई। इससे साफ है कि राज्य में साल-दर-साल बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। उपभोक्ताओं की संख्या में हो रही वृद्धि को देखते हुए ही हर साल कितनी बिजली खपत बढ़ेगी, इसका बिजली कंपनी ने आकलन किया। इसमें पाया गया कि वर्ष 2020 तक राज्य की बिजली की खपत क्षमता 6000 मेगावाट से अधिक हो जाएगी।

इसके मद्देनजर कंपनी ने खपत से कम से कम दोगुनी संचरण क्षमता विकसित करने का निर्णय लिया। इसके लिए कंपनी ने जरूरत के अनुसार ग्रिड बनाए। 132केवी के ट्रांसमिशन तार बिछाए गए। वित्तीय वर्ष 2020-21 में कंपनी ने 24342 मिलियन यूनिट बिजली की बिक्री की थी। 2021-22 में यह बढ़कर 27743.32 मिलियन यूनिट हो गई, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 29835 मिलियन यूनिट होने के आसार हैं। यानी बिजली की खपत इस साल बढ़कर सात हजार मेगावाट तक जाने की उम्मीद है। बिजली खपत को भांपकर ही कंपनी ने ट्रांसमिशन लाइन विकसित करने की योजना पर चरणबद्ध तरीके से काम किया। इसी का परिणाम है कि राज्य की बिजली निकासी क्षमता 14 हजार 808 मेगावाट हो गई है। गौरतलब है कि राज्य में अभी 6500 मेगावाट बिजली आपूर्ति की मांग है जबकि औसतन छह हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति हो रही है।

15000 मेगावाट तक की ट्रांसमिशन लाइन राज्य में तैयार

2005 में मात्र 1000 मेगावाट की ही थी आपूर्ति क्षमता

ऐसे बढ़ती गई आपूर्ति क्षमता

वर्ष	आपूर्ति क्षमता (मेगावाट में)
2005	1000
2012	2000
2016-17	5600
2017-18	9064
2018-19	10144
2019-20	11280
2020-21	12712
2021-22	14808

"बिजली के क्षेत्र में बिहार ने शून्य से सफर शुरू किया है। 700 मेगावाट से सफर की शुरुआत हुई थी। अब बिहार में जरूरत के अनुसार संचरण क्षमता विकसित हो गई है।

-बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री, ऊर्जा, योजना एवं विकास विभाग

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 02.06.2022 | पृष्ठ सं० 06

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

केंद्रीय टीम ने सर्वेक्षण का काम पूरा किया, 2200 करोड़ की लागत से बनेगा पुल, केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय बनाएगा पुल

दीघा में गंगा पर 6 लेन पुल का निर्माण अक्टूबर से

बदलता पटना

पटना में तैयार मरीन ड्राइव। दीघा के पास बन रही दूसरी रोटरी के पास गंगा किनारे समय व्यतीत करते लोग। • हिन्दुस्तान

मीठापुर और वारपुर को जोड़ने के लिए तैयार हुआ पुल। • हिन्दुस्तान

पटना, वरीय संवाददाता। दीघा के पास जेपी सेतु के समानांतर पुल का निर्माण अक्टूबर से शुरू होगा। इसके सर्वे का काम पूरा कर लिया है। केंद्रीय टीम इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेगी। जेपी सेतु और महात्मा गांधी सेतु पर भारी वाहनों का दबाव कम करने और उत्तर बिहार जाने वालों को सहूलियत देने के लिए गंगा नदी पर छह लेन पुल का निर्माण किया जाना है। लगभग 2200 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाने वाले पुल का निर्माण कार्य अगले साढ़े तीन साल में पूरा किया जाना है।

सर्वेक्षण टीम में शामिल अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय जेपी सेतु के समानांतर 4.5 किलोमीटर लंबे पुल का निर्माण करेगा। जेपी सेतु के पश्चिमी हिस्से में 180 मीटर की दूरी से दीघा से सोनपुर की ओर सड़क पुल का निर्माण किया जाना है। पुल 40 मीटर चौड़ा होगा। रेलवे का ट्रैक इसपर नहीं होगा। जेपी सेतु पर भारी वाहनों का दबाव और पुल पर पड़ रहे इसके असर को देखते हुए मंत्रालय उत्तर बिहार जाने वाले भारी वाहनों के लिए पुल का निर्माण करा रहा है। अब तक पटना से उत्तर बिहार की ओर जाने वाले मालवाहक वाहनों के लिए महात्मा गांधी सेतु ही था लेकिन पुल में बीच-बीच में खराबी के कारण परिचालन पर असर हो रहा था। इसलिए विकल्प के तौर पर दीघा के पास छह लेन का सड़क पुल बनाया जा रहा है।

दीघा के पास आठ लेन की होगी सड़क

पटना एम्स दीघा एलिवेटेड रोड जहां समाप्त हो रहा है, वहां से गंगा एक्सप्रेस वे रोटरी तक आठ लेन की सड़क होगी। यहां से तीन रास्ते गुजरेंगे। पहला जेपी सेतु, दूसरा छह लेन गंगा ब्रिज और गंगा एक्सप्रेस वे। इसलिए यहां वाहनों का भारी दबाव होगा। इसलिए जनार्दन घाट और उसके आसपास के इलाके की सड़क चौड़ी की जाएगी।

3.5 साल में पुल बनकर होगा तैयार, जेपी सेतु के समानांतर होगा निर्माण

40 मीटर चौड़ी होगी पुल पर बनने वाली सड़क

लोगों के लिए पिकनिक स्पॉट बनी दीघा की रोटरी

पटना। गंगा एक्सप्रेस वे से पहले जेपी सेतु के पास बनी रोटरी लोगों के लिए पिकनिक स्पॉट बन गयी है। साथ ही अटल पथ और एक्सप्रेस वे को जोड़ने वाली रोटरी भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है। जेपी सेतु के पास की रोटरी के पास शाम को भीड़ हो रही है, क्योंकि यह गंगा नदी से सटी है। वहां चाट, गोलगप्पा, आइसक्रीम बेचने वालों की भी अच्छी खासी भीड़ हो रही है। रोजाना पांच सौ से एक हजार लोगों की भीड़ जुट रही है। रात में लाइटिंग के चलते इसकी आभा और बढ़ जाती है।

पांच जून तक बन जाएगा मीठापुर पुल

पटना,वरीय संवाददाता। मीठापुर के पास बनाया जा रहा रेलवे का पुल पांच जून तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका काम अंतिम चरण में है। 570 मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य लंबे समय से अटका हुआ था। दो माह पहले इसका काम शुरू हुआ था। निर्माण एजेंसी इरकॉन का कहना है कि फ्लाईओवर पर पिचिंग का काम चल रहा है। चार जून तक पूरा हो जाएगा। पांच जून से यह सड़क आम लोगों के लिए खोली जा सकती है। इसकी लिखित जानकारी इरकॉन ने पथ निर्माण विभाग और रेलवे को दे दी है।

05 सौ 70 मीटर पुल को बनाने में लगे दो माह

फ्लाईओवर बन जाने के बाद मीठापुर सब्जी मंडी से पुनपुन की ओर जाना आसान हो जाएगा। अब फ्लाईओवर से से वाहन चलेंगे। जब फ्लाईओवर शुरू होगा तो मीठापुर रेलवे गुमटी बंद कर दी जाएगी। रेलवे गुमटी से वाहनों के गुजरने से अक्सर जाम लगा रहता था लेकिन इससे स्थानीय लोगों के अलावा पुनपुन की ओर जाने वाले लोगों को सुविधा हो जाएगी।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 02.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

पर्यटन विभाग ने जुलाई महीनें से जो रिवर सफारी शुरू करने का निर्णय, डेडलाइन तय की गई

दुर्गावती : बिहार का पहला रिवर व जंगल सफारी एक साथ

पटना/सासाराम | दुर्गावती जलाशय पर जुलाई से शुरू हो रहा रिवर सफारी बिहार का पहला ऐसा सफारी होगा जिसमें जंगल और नदी दोनों के मजे साथ-साथ लिए जा सकते हैं। जलाशय के दायें तट पर मौजूद रोहतास और बाएं तट पर मौजूद कैमूर इलाके में तैयार किए गए प्वाइंट से रिवर सफारी के लिए 25 सीटर बोट निकलेगी जो नदी के अंदर गुप्ता धाम की ओर छह किलोमीटर तक जाएगी। जहां उतरकर पर्यटक वन क्षेत्र में घुमने का आनंद लेंगे। उसके बाद वापस लौटेंगे। डीएफओ प्रदुम्न गौरव ने बताया कि जुलाई से पहले सप्ताह से शुरू होने वाली इस सफारी की सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। जो समय की डेडलाइन तय की गई है। उसी दिन से विधिवत इसका उद्घाटन होगा।

- पर्यटकों को 4 किलोमीटर जंगल सफारी और 6 किलोमीटर जलाशय में रिवर सफारी का आनंद उठा सकेंगे
- पर्यटकों की सुरक्षा के लिए रेंज अफसर की दी जाएगी जिम्मेवारी। लाइफ जैकेट लेने पर मिलेगा टिकट

50 रुपए में ही लोग ले सकेंगे इसका मजा सिर्फ, जुलाई से 25 सीटर डबल हल्क बोट का भी मजा ले सकेंगे पर्यटक।

25 सीटर बोट से नदी के अंदर गुप्ता धाम की ओर छह किलोमीटर तक जाएगी। जहां उतरकर पर्यटक वन क्षेत्र में घुमने का आनंद लेंगे।

12 सीटर एक विशेष बोट रिजर्व में रखी जाएगी। डीएफओ ने बताया कि यह विशेष बोट बैकअप के होगा।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 02.06.2022 | पृष्ठ सं० 16

बिहार म्यूजियम : प्रदर्शनी के अंतिम दिन पहुंचे 200 विजिटर्स

पेंटिंग प्रदर्शनी में दिखी कला की समृद्ध विरासत की झलक

पटना. बिहार म्यूजियम की ओर से लगायी गयी पेंटिंग प्रदर्शनी के अंतिम दिन करीब 200 विजिटर्स पहुंचे. म्यूजियम की ओर से 12 मई को पेंटिंग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया था. करीब 20 दिन तक लगे इस प्रदर्शनी में लोगों ने प्रसिद्ध कलाकार आनंदी प्रसाद बादल, नरेंद्र पाल और सच्चिद्र नाथ झा की 200 से अधिक कलाकृतियों के माध्यम से आधुनिक कला के विभिन्न स्वरूपों को देखा. पेंटिंग प्रदर्शनी में समाज के विभिन्न रूप और लोगों की जीवन यात्रा को समझने का मौका मिला. इसके अलावा विभिन्न कलाकृतियों के जरिये ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोगों के जीवन के विभिन्न स्वरूप और मूर्तियों के माध्यम से गंगा के घाटों की दशा को लोगों के सामने रखा गया. इसमें गंगा किनारे होने वाली आरती और पूजा-पाठ को प्रदर्शित किया गया है.

10 जून से बिहार म्यूजियम में लगेगा रेट्रोस्पेक्टिव एग्जीबिशन

पटना. बिहार म्यूजियम की ओर से शुरू की गयी रेट्रोस्पेक्टिव एग्जीबिशन के दूसरे चरण में 10 जून से पेंटिंग एग्जिबीशन लगाया जायेगा. इसमें शहर के प्रसिद्ध आर्टिस्ट की यात्रा को देखने और समझने का अवसर मिलेगा. प्रदर्शनी में बिरेश्वर भट्टाचार्य, शैलेंद्र कुमार व त्रिभुवन देव की पेंटिंग प्रदर्शनी के जरिये आधुनिक कला की बारिकियों को समझने का अवसर मिलेगा. 30 जून तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में 200 से अधिक कलाकृतियों को प्रदर्शित किय जायेगा. इसमें त्रिभुवन देव की पेंटिंग में गंगा किनारे लगने वाले किश्ती और आसपास रहने वाले लोगों के जीवन पर अधारित दृश्य को कैनवस पर देख जा सकता है. वहीं बिरेश्वर भट्टाचार्य की पेंटिंग में समाजिक विसंगतियों एवं विकृतियों पर आधारित पेंटिंग से रूबरू होने का अवसर मिलेगा.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 02.06.2022 | पृष्ठ सं० 07

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	41
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	9
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	1
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,25,06,220
⇒ कम से कम एक डोस	7,07,20,415
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	5,99,69,249

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

- कतर
- दक्षिण कोरिया
- जापान
- हॉग कॉग
- यू.ए.ई.
- सिंगापुर
- बहरीन
- न्यूजीलैंड
- कनाडा
- यू.एस.ए.
- ऑस्ट्रेलिया
- सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

- मुम्बई
- हैदराबाद
- पुणे
- चेन्नई
- नागपुर
- गुजरात
- कोलकाता
- वाराणसी
- गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.